लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *102

28 जून, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

निटिंग और निटवेयर क्षेत्र के विकास हेतु योजना

***102. श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः**

डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडेः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केंद्र सरकार ने पावर टेक्स इंडिया के तहत निटिंग और निटवेयर क्षेत्र के विकास हेतु कोई योजना आरंभ की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस योजना की विशेषताएं क्या हैं;

(ग) क्या निटिंग और निटवेयर क्लस्टर में सरकारी-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के आधार पर नये सेवा केंद्र बनाने का कोई प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या निटिंग और निटवेयर क्लस्टरों में वस्त्र अनुसंधान संघों (टीआरए) तथा निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) द्वारा चलाये जा रहे वर्तमान विद्युत करघा सेवा केंद्रों (पीएससी) तथा संस्थानों का आधुनिकीकरण और उन्नयन करने का कोई प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या हैं; और

(ङ) केंद्रीय सरकार द्वारा देश में सामान्य अवसंरचना को बढ़ाने और विद्युत करघा क्षेत्र का आधुनिकीकरण करने हेतु अन्य क्या कदम उठाये गये हैं?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 28.06.2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *102 के उत्तर के भाग (क) से (ङ) में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): जी, हां। वस्त्र मंत्रालय ने 47.72 करोड़ रुपए के परिव्यय से एक व्यापक निटिंग एवं निटवियर क्षेत्र विकास योजना की शुरूआत की है। योजना का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

(ङ): सरकार विद्‌युतकरघा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अखिल भारत आधार पर पावर टेक्स इंडिया योजना, कन्वर्ज्ड समूह बीमा योजना और व्यापक विद्‌युतकरघा कलस्टर विकास योजना क्रियान्वित कर रही है।

अनुबंध

क्र.सं.	**संघटक**	**उद्देश्य**
1.	नए सेवा केन्द्रों की स्थापना	उद्योग/संघों की सहभागिता से पीपीपी पद्धति के आधार पर कलस्टरों में नए सेवा केन्द्र स्थापित करके निटिंग एवं निटवियर कलस्टरों में जांच, प्रशिक्षण, नमूना विकास, परामर्शदायिता, समस्या निवारण, सुविधा सेवाओं के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करना।
2.	मौजूदा पीएससी का आधुनिकीकरण और उन्नयन	वस्त्र अनुसंधान संघ (टीआरएएस) अथवा निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएस) अथवा किसी अन्य वस्त्र उद्योग संघ द्वारा संचालित वर्तमान पावरलूम सेवा केन्द्र/संस्थान में निटवियर एवं निटवियर उद्योग के लिए अपेक्षित प्रशिक्षण/जांच प्रयोजनों के लिए अपेक्षित मशीनरी स्थापित करना
3.	ग्रुप वर्क शेड योजना	वर्तमान अथवा नए कलस्टर में आधुनिक निटिंग मशीनों तथा/अथवा निटवियर के लिए ग्रुप वर्क शेड की स्थापना को सुविधाजनक बनाना जिससे व्यापार प्रचालनों के लिए अपेक्षित स्केल ऑफ इकोनॉमी प्राप्त होगी तथा अधिक स्थान, कार्य परिवेश तथा कार्यक्षमता में सुधार के रूप में कार्य चालन की स्थिति में सुधार होगा, ताकि वैश्विक बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धित की जा सके।
4.	यार्न बैंक योजना	विशेष प्रयोजन तंत्र (एसपीजी)/निटिंग इकाईयों के परिसंघों को ब्याज मुक्त निधि प्राप्त करना ताकि वे थोक दर पर यार्न की खरीद कर सकें तथा लघु निटिंग इकाईयों को उपयुक्त मूल्य पर यार्न की बिक्री कर सकें, जिससे यार्न की बिक्री पर दलालों/ स्थानीय आपूर्तिकर्ता के दलाली प्रभारों से बचा जा सके।
5.	सामान्य सुविधा केन्द्र (सीएफसी)	निटिंग एवं निटवियर इकाईयों को प्रोसेसिंग, डाईंग, प्रिंटिंग, डिजाईन विकास, जांच सुविधाओं, ईटीपी आदि जैसी सामान्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न निटिंग एवं निटवियर कलस्टरों में सामान्य सुविधा केन्द्र स्थापित करना।
6.	प्रधानमंत्री ऋण योजना (मुद्रा और स्टैण्ड अप इण्डिया स्कीम)	निटिंग एवं निटवियर इकाईयों को उपयुक्त एवं समय पर वित्तीय सहायता प्रदान करना ताकि वे लचीले और लागत प्रभावी ढंग से निवेश आवश्यकताओं (सावधि ऋण) के लिए अपनी ऋण आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। (क) विद्यमान उद्यमियों के लिए मुद्रा; (ख) अनुसूचित जाति/अनु.जनजाति और महिला वर्ग से संबंधित नए उद्यमियों के लिए स्टेंड अप।

7.	सुविधा प्रदान करना, सूचना प्रौद्योगिकी, जागरूकता, अध्ययन, सर्वेक्षण, बाजार विकास एवं प्रचार	निटिंग एवं निटवियर इकाईयों को हेल्पलाइन, पंजीकरण सेवाओं, एसएमएस अलर्ट, बैंक सेवाओं इत्यादि जैसी सुविधा सेवाएं। निटिंग एवं निटवियर योजनाओ के लिए ऑनलाइन पोर्टल। निटिंग एवं निटवियर इकाइयों के लाभ के लिए योजनाओं के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना तथा प्रौद्योगिकी एवं उत्पादों के बारे में सूचना का प्रचार करना। निटिंग एवं निटवियर इकाइयों को कलस्टर स्तर, क्षेत्रीय स्तर, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पादों के विपणन के लिए मंच प्रदान करना। इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया में निटिंग एवं निटवियर योजनाओं का प्रचार।

******